VIKAS SAMVAD

विकास संवाद

वार्षिक रिपोर्ट

2024-25

https://vssmp.org/

प्रमुख उपलब्धियां

कुपोषण से मुक्ति और बाल अधिकार

1103	प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से जुड़ी गर्भवती महिलाओं की संख्या
376	मध्यम एवं गंभीर कुपोषण के दुष्चक्र से मुक्त किए गए बच्चों की संख्या
150	बच्चों को स्कूल शिक्षा से जोड़ा

खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चितता

14975	खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों से सहयोग प्राप्त परिवारों की संख्या
37827	किचन गार्डन से उत्पन्न सब्ज़ियों की मात्रा (क्विंटल में)
15234	किचन गार्डन स्थापित करने में सहयोग प्राप्त किसानों की संख्या
1427	पोल्ट्री फार्मिंग से जुड़े परिवारों की संख्या

प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण

4975	जैविक/प्राकृतिक खेती से जुड़े किसानों की संख्या
6161	जैविक/प्राकृतिक खेती के अंतर्गत की गई खेती योग्य भूमि (एकड़ में)
38573	किसानों को उपलब्ध कराए गए बीज (किलोग्राम में)
8608	सिंचित कुल क्षेत्रफल (एकड़ में)
60	सुधारे/निर्मित किए गए जल संरचनाओं की संख्या

सामाजिक बदलाव हेतु संचार

334	सामाजिक परिवर्तन हेतु स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन में प्रशिक्षित नागरिक समाज संगठनों (CSOs) की संख्या
700	सामाजिक परिवर्तन हेतु प्रभावी संचार में प्रशिक्षित CSOs के सदस्यों की संख्या

लोक स्वास्थ्य

4300	प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से जुड़ी गर्भवती महिलाओं की संख्या

निदेशक की डेस्क से

प्रिय मित्रों और शुभचिंतकों,
विकास संवाद की ओर से हार्दिक बधाई!
पिछले वर्ष में हमने व्यापक समुदायों को सशक्त बनाने एवं समाज में बेहतर संवाद को बढ़ावा देने के सामूहिक प्रयासों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां देखी हैं। हम सब मिलकर सार्थक परिवर्तन लाने, जीवन को प्रभावित करने और न्याय, समानता और सामाजिक समावेशन की पैरवी करने में सक्षम हुए हैं। हमारे सपने एवं मिशन में आपका विश्वास ही है जो सभी के लिए एक अधिक समता, स्वतंत्रता और न्यायपूर्ण, बंधुता, गरिमापूर्ण दुनिया बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को बढ़ावा देता है।

जमीनी स्तर के काम एवं साक्ष्य आधारित पैरवी से लेकर नीतिगत प्रभाव तक, हम उन कारणों की पैरवी करना जारी रख सके हैं जो हमारे द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों के लिए सबसे अधिक मायने रखती है। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, हम आगे आने वाले नए अवसरों और चुनौतियों के बारे में उत्साहित हैं। हम उन लोगों की आवाज़ को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है और ऐसे प्रणालीगत बदलाव के लिए जोर देते हैं जिसका स्थायी प्रभाव होगा। साथ मिलकर, हम एक मजबूत, अधिक समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं जहाँ सभी को फलने-फूलने का मौका मिले।

आपको जानकारी प्रदान करने और हमारी गतिविधियों से जुड़े रहने के हमारे निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में, हम वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहे हैं।

आपके निरंतर समर्थन और भागीदारी के लिए धन्यवाद। हम सहयोग, प्रगति और परिवर्तन के एक और वर्ष की आशा करते हैं।

आप सभी को शुभकामनाएँ!

सचिन कुमार जैन
निदेशक, विकास संवाद

विकास संवाद के बारे में

विकास संवाद एक सामुदायिक सशक्तिकरण, सामाजिक अनुसंधान, क्षमता निर्माण, और साक्ष्य-आधारित ज्ञान विकास संस्थान है। यह संस्था प्रमुखतः सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में मानव कल्याण के मुद्दों पर समाज के सभी पक्षों का ध्यान आकर्षित करती है। इसका यह मंतव्य है कि लोकतान्त्रिक मंचों, यानि नागरिक सामाजिक नेटवर्क, संचार माध्यमों और राज्य संस्थानों के समक्ष मुद्दों और लोगों की आवाज़ को सतह पर लाने के लिए वृहद् समाज के साथ मिलकर ठोस प्रयास किए जायें ताकि अपेक्षित सकारात्मक और टिकाऊ सामाजिक परिवर्तन लाया जा सके।

'विकास में सार्वभौमिकता' सुनिश्चित करना विकास संवाद की प्राथमिकता रही है। समुदाय को सशक्त बनाने पर ज़ोर देते हुए यह संस्था मुख्य रूप से खाद्य और पोषण सुरक्षा के क्षेत्र पर कार्य करती रही है। इसके अन्तर्गत महिलाओं और बच्चों के पोषण और स्वस्थ और सकुशल जीवन निर्वाह में उनकी मदद के लिए संस्था तत्पर रहती है। बाल कुपोषण, रुग्णता, बाल एवं मातृ मृत्यु दर, लिंग असमानता जैसी समस्यायें और मुद्दे इसके केंद्र में रहे हैं। संवैधानिक जनादेश के अनुपालन में विकास संवाद का मक़सद समाज के वंचित और कमज़ोर वर्गों पर विशेष ध्यान होता है। संस्था का यह मानना है, कि अपेक्षित आशय को हासिल करने में बहु-पक्षीय एवं अधिकार-आधारित दृष्टिकोण के साथ आजीविका के लिए अतिरिक्त विकल्पों का निर्माण, अवसरों की खोज और उन्हें बढ़ावा दिया जाना एक महती आवश्यकता है।

'विकास संवाद का यह विनम्र अपितु दृढ़ आग्रह है कि प्रभावित समुदायों को लगातार सहयोग प्रदान किया जाए। उनकी दशा में सुधार लाने में और सम्बद्ध सभी हितधारकों की क्षमता का निर्माण करने में उन्हें साथ लिया जाए और उनके साथ जुड़ा जाए। इस दिशा में, यह संस्था उनके विवेक को बढ़ाने, प्रोत्साहित करने और उनके साथ मिलकर सामाजिक विकास के विभिन्न आयामों पर कार्य करने की कोशिश लगातार करते रहने के लिए कृतसंकल्पित है।

विकास संवाद का विज़न-मिशन

विज़न

एक ऐसे समतावादी और स्वस्थ समाज की स्थापना हो जो अपनी प्रकृति और स्वभाव में लोकतान्त्रिक रहते हुए सभी प्रकार की गरीबी से मुक्ति हासिल कर सके।

मिशन

1. एक ऐसे समाज के सपने को साकार करने के लिए काम करें जो न्यायसंगत और न्याय-आधारित होने के साथ शोषण से मुक्त हो।
2. जन-केन्द्रित नीतियों के निर्माण, क्रियान्वयन, और उनसे जुड़े सुधारों और परिवर्तनों को सुलभ करने के लिए समुदाय-आधारित नेतृत्व विकास को सहज बनाना तथा बढ़ावा देना।
3. समाज के सबसे अधिक वंचित और कमज़ोर वर्गों पर विशिष्ट ध्यान देने के साथ व्यापक और गहरे सामाजिक और सामान्य हितों को संरक्षित करने में साक्ष्य-आधारित, सामूहिक, और एकीकृत पहल करना ताकि आवश्यक नीतिगत परिवर्तन लागू हो सकें।
4. संवैधानिक मूल्यों में स्पष्ट, उत्सुक, और सशक्त अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सभी हितधारकों का सहजकर्ता बनना जिससे कि वे उन मूल्यों को अपने व्यवहार में आत्मसात और परिलक्षित करने में सक्षम हो सकें।
5. विकास संवाद के संगठनात्मक विकास और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए प्रयासरत रहते हुए आवश्यक प्रदर्शन के अनुरूप संस्था में उभरती भूमिकाओं को स्थापित करना।

विकास संवाद कार्यकारी बोर्ड

श्री अनवर जाफरी
अध्यक्ष

श्री निलेश देसाई
उपाध्यक्ष

श्री अमन नम्र
कोषाध्यक्ष

श्री मनोहर चौरे
सदस्य

श्री रीता भाटिया
सदस्य

श्री सचिन कुमार जैन
सचिव

श्री राकेश कुमार मालवीय
सह सचिव

विकास संवाद की अभिव्यक्ति के आयाम

विकास संवाद स्वास्थ्य, पोषण, लोगों की हकदारी, वन अधिकार अधिनियम (एफ. आर. ए.) और महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन, जलवायु परिवर्तन, बाल अधिकार, संविधान, संचार और परिवर्तन, की कहानियों सहित विभिन्न विषयों और उनसे सम्बंधित ज्ञान-आधारित संसाधनों को विकसित एवं प्रस्तुत करता आया है। अनुसंधान, क्षेत्र हस्तक्षेप, फैलोशिप कार्यक्रम और कारकों की पहचान के चैम्पियनशिप प्रयासों से प्राप्त ज़बर्दस्त सीखों के अनुभव इसके संसाधनों का मूर्त रूप हैं। समुदाय के सदस्यों, कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों, राज्य और ग़ैर-राज्यीय कार्यक्रम के कार्यकर्ताओं और नागरिक सामाजिक संगठनों की विविध और विशिष्ट सीखने की ज़रूरतों के स्पेक्ट्रम में प्रासंगिक प्रशिक्षण डिज़ाइन, मॉड्यूल्स और मैनुअल का निर्माण विकास संवाद की महती उपलब्धियाँ रहे हैं। इसके साथ ही, इन विषयों से संबंधित सोशल एक्शन रिसर्च ने सार्थक साक्ष्य प्रदान किये हैं, जिनसे इसके कार्य को उल्लेखनीय पहचान मिली है और विश्वसनीयता निर्मित हुई है।

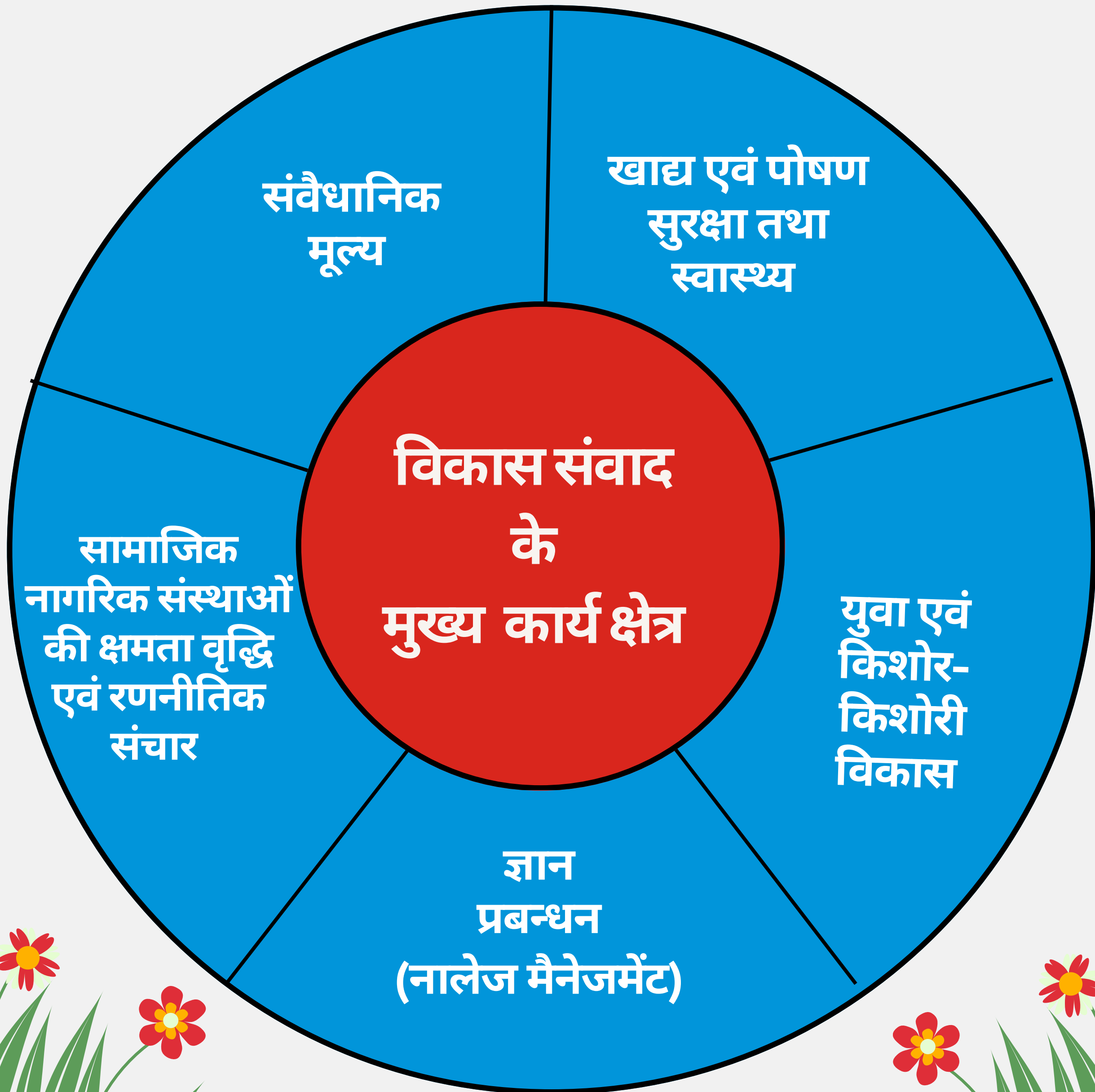

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा तथा स्वास्थ्य

दस्तक परियोजना - समुदाय-आधारित, समावेशी और टिकाऊ खाद्य सुरक्षा व्यवस्था

दस्तक परियोजना मध्यप्रदेश के **4** जिलों पन्ना, सतना, रीवा एवं उमरिया के **100** गांव तथा बिहार के **2** जिलों सीतामढ़ी तथा जहानाबाद के **40** गांव में संचालित हुई. इसका परियोजना का मुख्य उद्देश्य खाद्य असुरक्षा एवं कुपोषण को समाप्त करना एवं समुदाय आधारित कुपोषण प्रबन्धन का टिकाऊ माडल बनाना है।

जनवरी 2016 से शुरू हुई ये परियोजना दिसंबर 2024 में सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। परियोजना के तहत निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए समुदाय आधारित पोषण प्रबन्धन मॉडल पर काम किया गया, जिसमें वर्ष 2024 में सामुदायिक नेतृत्व का विकास, सामुदायिक निगरानी एवं सोशल आडिट, पोषण वाटिका एवं मुर्गीपालन तथा जैविक खेती के माध्यम से स्थानीय खाद्य संसाधनों का विकास, अध्ययन एवं पैरवी आदि रणनीतियां शामिल थीं।

म. प्र. में 14 हजार परिवारों की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाने एवं 7000 बच्चों के कुपोषण को दूर करने का प्रयास किया गया है, इस परियोजना के तहत 2024 में अनेक उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

परिणाम

- **कार्यक्षेत्र में गंभीर कुपोषण (SAM) को 15 से 2 प्रतिशत तक लाने में सफलता मिली।**
- **मध्यम कुपोषण (MAM) 40 से 8 प्रतिशत तक लाने में सफलता मिली।**
- **161 में से 91 गांवों में पिछले एक साल में कोई मृत्यु नहीं, जबकि 2015 – 2017 के मध्य 40-45 मृत्यु दर्ज की गयी थीं। तीन वर्षों में बाल मृत्यु नहीं - 28 गांव, दो वर्षों में बाल मृत्यु नहीं - 48 गांव, कुपोषण मुक्त गांव - 37 गांव**

17 जल संरचनाओं का विकास

परियोजना क्षेत्र में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए कुल 17 नई जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया गया। इन जीर्णोद्धारों ने सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय सुधार किया, जिससे 189 किसानों की कुल लगभग 283 एकड़ भूमि की सिंचाई हो सकेगी, जिससे किसानों को फसल की पैदावार में लगभग 30% की वृद्धि मिलने की उम्मीद है।

कृषि उत्पादकता में इस सुधार से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि अधिक टिकाऊ खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करके समुदाय में खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने में भी योगदान मिलेगा।

जीर्णोद्धार की गई जल संरचनाएँ जल की कमी और जलवायु परिवर्तनशीलता से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी, जिससे किसानों को अपनी कृषि गतिविधियों को बनाए रखने और विस्तार करने के लिए आवश्यक संसाधन मिलेंगे।

17 नई जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार

189 किसानों की 283 एकड़ भूमि की सिंचाई संभव हुई

पैदावार में 30 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद

राज्य एवं जिला स्तरीय कार्यशालाएं

19 नेतृत्व विकास कार्यशालाएं

1250 व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी

परियोजना के तहत, जिला और राज्य स्तर पर 19 नेतृत्व विकास कार्यशालाएं आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं, बच्चों, किशोरी बालिकाओं और युवाओं के विभिन्न समूहों को शामिल किया गया।

इन कार्यशालाओं में 1250 व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी हुई। इस दौरान, प्रतिभागियों को परियोजना के दौरान प्राप्त सीखों को बनाए रखने पर केंद्रित सार्थक चर्चाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

मुख्य विषयों में दीर्घकालिक खाद्य और पोषण सुरक्षा बनाए रखने की रणनीतियाँ, साथ ही समुदाय के सदस्यों के बीच संयुक्त नेतृत्व की भावना को बढ़ावा देना शामिल था। इन कार्यशालाओं में विविध मुद्दों को संबोधित करने में सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया, प्रतिभागियों को अपने समुदायों में खाद्य सुरक्षा और पोषण को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का स्वामित्व लेने के लिए सशक्त बनाया गया।

खाद्य सुरक्षा के विषय पर सामाजिक अंकेक्षण

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत संचालित पोषण योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक सामाजिक अंकेक्षण का आयोजन किया गया. यह सामाजिक अंकेक्षण प्रक्रिया 9 गांवों में हुई और इसका नेतृत्व युवाओं और महिलाओं की एक टीम ने किया, जिन्होंने स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर काम किया। कुल **1,004 परिवारों ने सामाजिक अंकेक्षण** प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया।

लेखा परीक्षा के दौरान, 123 मुद्दों की गहन जांच की गई और सफलतापूर्वक उनका समाधान किया गया, जिससे पोषण योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित हुआ। इस पहल ने न केवल जवाबदेही को मजबूत किया बल्कि स्थानीय निवासियों, विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को आवश्यक सेवाओं की निगरानी और सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाया।

राज्य स्तरीय संवाद का आयोजन

सुपोषित मध्य प्रदेश के लिए खाद्य पोषण सुरक्षा एवं टिकाऊ कृषि के प्रयोग' विषय पर राज्य स्तरीय दो दिवसीय पोषण संवाद **11-12 दिसम्बर भोपाल** में आयोजित किया गया. इस दौरान गहन विचार-विमर्श से कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आए। इस संवाद में सरकार, सामाजिक नागरिक संगठन और जमीनी कार्यकर्ताओं ने एक साथ मिलकर पोषण और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की।

समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन परियोजना

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के 15 गांव में समुदाय आधारित पोषण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन की दिशा में काम किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समुदाय में कुपोषण को समाप्त करना है।

समुदाय आधारित ग्राम स्तरीय सूक्ष्म नियोजन का ग्राम पंचायत विकास योजना में समावेश: नोन्हेटा पंचायत में विकास की नई दिशा

विकास संवाद द्वारा संचालित कुपोषण का समुदाय आधारित प्रबंधन परियोजना के तहत नई मिसाल पेश की है। इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों में एक ग्राम स्तर पर सूक्ष्म नियोजन को प्राथमिकता देकर, पंचायतों में विकास कार्यों को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाना भी रहा है। इस प्रयास के माध्यम से, न केवल गाँव के विकास की दिशा तय की गई, बल्कि सामूहिक भागीदारी से ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) में सूक्ष्म नियोजन का समावेश भी किया गया।

नवम्बर 2024 में, नोंहेटा खुर्द पंचायत ने सूक्ष्म नियोजन कार्यक्रम को अपनी जीपीडीपी में शामिल किया। इसके बाद, पंचायत ने स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर विकास कार्यों की दिशा तय की और इन्हें कार्यान्वित करने के लिए ठोस कदम उठाए। विशेष रूप से जनमन आवास योजना के तहत, चार गांवों में आवास निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई। जिन गांवों में यह कार्य शुरू हुआ, उनमें पटपरी (33), टपरपुरा (50), नोहनहेटा खुर्द (25) और बटकाखेड़ी (23) शामिल हैं। साथ ही, स्वच्छता अभियान भी चलाया गया, जिसके तहत पंचायत द्वारा रास्तों और नालियों की सफाई की गई। बीरवाल आदिवासी का कहना है “हमारे समुदाय ने इस योजना को ग्राम सभा में प्रस्तुत किया, इस प्रयास में हर सदस्य की सक्रिय भागीदारी ने इसे और भी सशक्त बना दिया। हम, स्वयंसेवक और अन्य समुदाय के सदस्य, इस योजना के निर्माण में अपना योगदान देकर ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने में सफल हुए हैं। यह योजना अब हमारी सामूहिक शक्ति और एकजुटता का प्रतीक बन गई है, जो भविष्य में स्थायी बदलाव लाएगी।"

जैविक खेती की ओर: किसानों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता

भविष्य की दिशा: स्थायी और सशक्त बदलाव

15 गांव के 50 किसान शामिल

विकास संवाद संगठन ने कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी के सहयोग से 50 किसानों के लिए जैव विविधता और जैविक खेती पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती और कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से अवगत कराना और जैविक खेती की ओर प्रोत्साहित करना था। पिछले कुछ वर्षों में रासायनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग क्षेत्र में बढ़ा है, जिससे किसानों को तुरंत फायदे तो दिखाई दिए हैं, लेकिन इसके दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर जागरूकता की कमी है। इस चुनौती को देखते हुए, परियोजना ने 15 गांवों से 50 किसानों का चयन किया और कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

स्माल ग्रांट परियोजना : छतरपुर

जलवायु परिवर्तनशीलता और चरम स्थितियों का नाजुक पारिस्थितिक संतुलन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। भारत जैसे कृषि-अर्थव्यवस्था आधारित देश में जलवायु परिवर्तन का सिंचाई सुविधाओं, मिट्टी की गुणवत्ता आदि पर अधिक प्रभाव पड़ता है, जिस पर कृषि निर्भर करती है और इसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में कमी आती है, खाद्य आपूर्ति प्रणाली बाधित होती है, आबादी विस्थापित होती है और खाद्य कीमतों में उछाल आता है। यह परियोजना जलवायु-अनुकूली सतत विकास प्रथाओं को बढ़ाने और ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) के सहयोग से एसजीपी अनुदान के तहत महिला किसानों और युवाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए व्यक्ति और समुदाय दोनों के स्तर पर व्यवहारिक परिवर्तन लाने में योगदान देने के लिए शुरू की गई है। इस परियोजना के तहत, 12 गांवों में 7301 परिवार अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे।

12 गांव के 7301 किसान होंगे लाभान्वित

12 महिला किसान समूह से 360 किसान जुड़े

155 पोषण उद्यान स्थापित

22 किसानों ने प्राकृतिक खेती शुरू की

जलवायु अनुकूली कार्यों का नेतृत्व करने के लिए 12 गांवों में 360 सदस्यों को शामिल करते हुए 12 महिला किसानों और 12 युवा समूहों का गठन किया गया है। 50 महिला किसानों के लिए एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सत्र और गठित समूह के 50 युवाओं के लिए एक सत्र आयोजित किया गया है। 155 पोषण उद्यान स्थापित किए गए हैं, और 22 किसानों प्राकृतिक खेती शुरू की है।

स्माल ग्रांट परियोजना

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में सतत विकास प्रथाओं और व्यवहारिक परिवर्तनों के माध्यम से जलवायु लचीलापन बनाने के लिए समुदाय संचालित पहल

"पूरी पढ़ाई, देश की भलाई" अभियान कार्यक्रम

यह कार्यक्रम शाहबाद, जिला बारा राजस्थान के **20 विद्यालयों** में आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से समुदाय के लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। नामांकन वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान, स्लोगन लेखन, नारे लेखन, संवाद बैठकें और समुदाय में घर-घर संपर्क अभियान चलाए गए। इस कार्यक्रम में कुल **4009** सदस्यों ने भाग लिया। अभियान के तहत **98** बच्चों का विद्यालय में नया नामांकन करवाया गया।

बाल मजदूरी (मौसमी मजदूरी) से मुक्त करके बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के प्रयास के तहत, पिछले वर्ष तक **88** बच्चों का नामांकन स्टेट ओपन स्कूल में कराया गया था। इस वर्ष **27** और बच्चों को ओपन स्कूल से जोड़ा गया, जिससे अब तक कुल **115** बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कर स्टेट ओपन स्कूल में नामांकित किया गया है। ये बच्चे अब नियमित रूप से पढ़ाई कर रहे हैं।

बाल मजदूरी करने वाले 115 बच्चे शिक्षा से जुड़े

20 गांवों के 650 बच्चों को जीवन कौशल प्रशिक्षण

विकास संवाद द्वारा **20** गांवों के **650** बच्चों को जीवन कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बच्चों के आत्मसम्मान, भावनाओं को समझने, बॉडी लैंग्वेज, समस्या-समाधान, और मुखर होने जैसे पांच मुख्य बिंदुओं पर कार्य किया गया। इस प्रशिक्षण ने बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु कृषि विकास की पहल

वंचित समुदायों की पोषण और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, विकास संवाद समिति द्वारा गुमला (झारखंड) जिले के रायडीह और पालकोट विकासखण्ड के 35 गावों में यह परियोजना चलाई जा रही है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य छोटे, सीमांत और महिला किसानों की आय में वृद्धि करना और उनकी पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

समुदाय द्वारा पहल लेते हुए **5 नई किसान पाठशालाएं** स्थापित की गईं। पहले से संचालित 5 पाठशालाओं को मिलाकर अब कुल **10 किसान** पाठशालाएं (रेंगोला, कपोडीह, रुकरुम, मरदा, लिटिम, केराडीह, अरंडा, सिकोई, रायडीह और बागेसेरा) में स्थापित हैं इनमें **200** से अधिक किसान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इन पाठशालाओं में तकनीकी सत्रों का आयोजन नेतृत्वकर्ता किसानों और विकास मित्रों द्वारा किया जाता है।

इस वर्ष कुल **84 महिलाओं** को पोषण बाड़ी विकसित करने हेतु सहायता दी गई, इनमें **30 कोरोना** प्रभावित परिवार शामिल हैं। इन्हें 8 प्रकार की सब्जियों के बीज और जैविक खेती हेतु आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, 85 महिलाओं ने खुद से पोषण बाड़ी तैयार की और जैविक खाद बनाने की तकनीकों को अपनाया।

- पोषण बाड़ी और आंगनवाड़ी सुविधाओं का विस्तार
- जैविक खेती और सिंचाई व्यवस्था को बढ़ावा
- कौशल विकास एवं रोजगार सृजन
- स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य केंद्र, और सामुदायिक शौचालय की व्यवस्था
- कोरोना प्रभावित परिवारों के लिए पशुपालन योजनाएँ

ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की पहल

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा संबंधित प्रकाशन

7,000 दिनों के दौरान स्वास्थ्य और पोषण देखभाल पर

दस्तक परियोजना के तहत, जीवन के महत्वपूर्ण पहले 1,000 दिनों एवं बाद के 7,000 दिनों के दौरान स्वास्थ्य और पोषण देखभाल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से "जीवन की बुनियाद" नामक एक व्यापक पुस्तिका प्रकाशित की गई. यह पुस्तिका सामुदायिक कार्यकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करती है, जो उन्हें परिवारों और देखभाल करने वालों के साथ साझा करने के लिए स्पष्ट, व्यावहारिक जानकारी प्रदान करती है। पुस्तिका की सामग्री एक सरल, आसानी से समझने योग्य प्रारूप में सचित्र प्रस्तुत की गई है। पुस्तिका का ध्यान न केवल बचपन के शुरुआती पोषण पर है, बल्कि बच्चों के बड़े होने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और कल्याण पर भी है।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के समुदाय आधारित मॉडल का प्रकाशन

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पर हमारा व्यापक मॉडल एक विस्तृत पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया गया है। यह समग्र और टिकाऊ तरीके से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा से निपटने के हमारे दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। पुस्तिका न केवल हमारे एकीकृत दृष्टिकोण पर प्रकाश डालती है, जो कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण जैसे कई क्षेत्रों को जोड़ती है, बल्कि खाद्य असुरक्षा और कुपोषण को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए हमारे द्वारा लागू की गई रणनीतियों पर भी विस्तार से जानकारी प्रदान है। साथ ही कुछ केस स्टडीज़ हमारी पहलों के माध्यम से प्राप्त सफलताओं और परिणामों के ठोस उदाहरण प्रदान करती हैं, जो दर्शाती हैं कि कैसे हमारी रणनीतियों ने बच्चों एवं महिलाओं और समुदायों के जीवन में ठोस सुधार किए हैं।

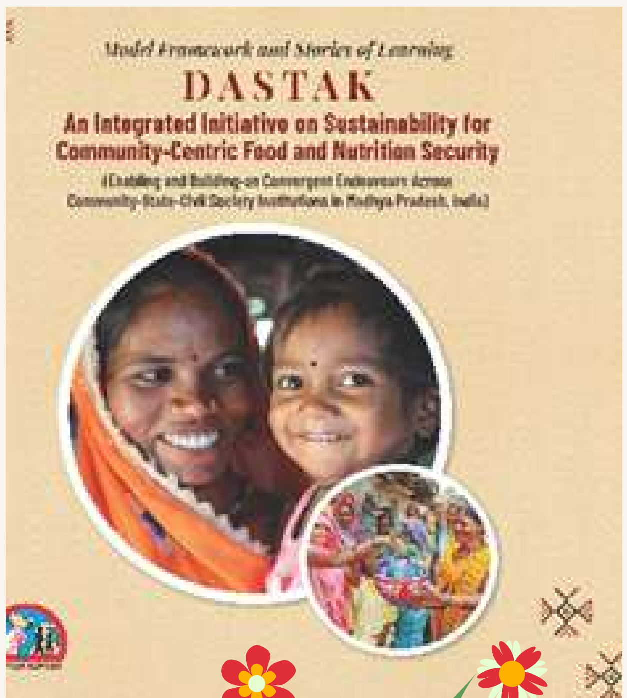

अवार्ड : “स्टोरी आफ चेंज”

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बंगलौर द्वारा विकास संवाद की इस पहल - ‘दस्तक’: खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए एक पथ-प्रदर्शक समुदाय-आधारित मॉडल को अवार्ड दिया गया एवं “स्टोरी आफ चेंज” के रूप में प्रकाशित करने हेतु चुना गया।

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पेपर प्रस्तुत

नेपाल में आयोजित **अंतर्राष्ट्रीय डी4एन महोत्सव** में समुदाय-आधारित खाद्य सुरक्षा मॉडल को प्रदर्शित करने वाले पोस्टर के साथ "पोषण उद्यान हस्तक्षेप के प्रयोग पर पेपर" प्रस्तुत किया।

इस प्रस्तुति पर **पांच सहभागी देशों में सर्वोच्च अंक** और मान्यता अर्जित हुई। यह उपलब्धि समुदाय स्तर पर पोषण और खाद्य सुरक्षा पर हमारे नवीन दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को उजागर करती है।

संवैधानिक मूल्य

संविधान संवाद: संवैधानिक मूल्यों के प्रति आत्म बोध और चेतना की पहल

भारतीय संविधान के प्रति आत्मबोध और आत्मचेतना के लिए 'संविधान संवाद' पहल आरंभ की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रोफेशनल पत्रकार और वकीलों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति बोध, आत्म चेतना तथा जीवन व कार्य व्यवहार में संवैधानिक मूल्यों को लागू करने के लिए प्रेरित करना है।

इसके तहत संदर्भ सामग्री निर्माण, संवाद सत्रों का आयोजन तथा व्यवहार में संवैधानिक मूल्यों के पालन के प्रयास जैसे कार्य जारी है। इसी पहल के तहत पत्रकारों और वकीलों के वैयक्तिक और पेशेवर जीवन से संवैधानिक मूल्यों का जुड़ाव स्थापित करने के उद्देश्य से प्रदेश के पत्रकारों और वकीलों को 'संविधान संवाद फैलोशिप' से जोड़ा गया। यह फैलोशिप मध्य प्रदेश के 48 पत्रकारों को एक-एक वर्ष (प्रतिवर्ष 15 पत्रकार) और 10 वकीलों को तीन वर्ष के प्रदान की गई। इस वर्ष प्रदेश के 18 वरिष्ठ और युवा पत्रकारों संविधान संवाद फैलोशिप से जुड़े।

हमारी उपलब्धियों में पत्रकारों फेलो द्वारा इस अवधि में 125 से अधिक समाचार/ आलेख का प्रकाशन, वकीलों द्वारा 40 से अधिक केस का प्रवर्तन, संवैधानिक मूल्यों की दृष्टि से महत्वपूर्ण अदालतों के 25 फैसलों का संक्षिप्तीकरण तथा 250 से अधिक लोगों को विधिक परामर्श देना शामिल हैं। विभिन्न कानूनों व अधिनियमों पर वकील फेलो द्वारा 10 बुकलेट तैयार करने का कार्य अंतिम चरण में हैं। इसके अतिरिक्त हमने संविधान संवाद वेबसाइट पर क्विज सहित अन्य जागरूकता पहल, उन्मुखीकरण शिविर, विशेषज्ञ संवाद सत्र, मीडिया संवाद के माध्यम से देशभर के 140 पत्रकारों तक मूल्यों के बोध व जागरूकता की पहल की पहुंच सुनिश्चित की है।

संवैधानिक मूल्यों के प्रति आत्म बोध के लिए हमने गुजरे वर्ष जागरूकता कार्यक्रम और संविधान संवाद व्याख्यान आयोजित किए। फेलो के साथ नियमित संवाद सत्रों, बैठकों और उन्मुखीकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 22 सितंबर 2024 को वार्षिक 'संविधान संवाद व्याख्यान 2024' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रख्यात वकील-स्तंभकार विराग गुप्ता बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। संविधान को आत्मार्पित करने के 75 वर्ष के अवसर पर हमने 'संविधान संवाद @ 75 हम भारत के लोग' का आयोजन किया है। इस शृंखला के तहत गंजबासौदा, छतरपुर, भोपाल, ग्वालियर और राजगढ़ में संविधान संवाद गोष्ठियां आयोजित की गईं। 26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस पर फेलो द्वारा संवैधानिक मूल्यों पर केंद्रित 26 सार्वजनिक आयोजनों और संवाद सत्रों में भागीदारी, आलेख लेखन, पॉडकास्ट का प्रसारण किया गया।

फैलोशिप संचालन के अब तक के अनुभव में पाया गया कि संवैधानिक मूल्यों को समझना जितना आसान है, व्यवहार में उनके उपयोग के तरीकों को जानना उतना सरल नहीं है। मूल्यों को अपनी पत्रकारिता, वकालत और जीवन में कैसे हर कार्य में समाहित किया जाए, इस पर फेलो से लगातार संवाद जारी है। उनके अपने प्रश्न, अपनी समस्याएं तथा व्यावहारिक दिक्कते हैं। इन सभी पर संवाद कर राह निकालने का प्रयत्न हो रहा है। फैलोशिप के दौरान लगातार यह अनुभव हो रहा है कि जागरूक और अध्ययनशील होने के बाद भी पत्रकार और वकील फेलो (समूचे प्रोफेशनल समूह में) को संवैधानिक मूल्यों के प्रति समझ बढ़ाने की आवश्यकता है।

उपलब्धि

पत्रकार और वकील फेलो में संवैधानिक मूल्यों के प्रति चेतना और आत्मबोध का विकास

संविधान से संबंधित कुल 22 पुस्तकें/पुस्तिकाएं एवं माड्यूल तथा 1 पोस्टर/कैलेंडर एवं सांप सीढ़ी खेल निर्मित

कृषि, खाद्य सुरक्षा, आजीविका, पर्यावरण, पर संचार क्षमता वृद्धि कार्यक्रम

सामाजिक नागरिक संस्थाओं के लिए कृषि, खाद्य सुरक्षा, आजीविका, पर्यावरण आदि विषयों पर रणनीतिक संचार के अपेक्षाकृत नए विचार को शामिल करने हेतु विकास संवाद सामाजिक नागरिक संस्थाओं के साथ काम कर रहा है। इस प्रक्रिया के तहत विकास संवाद में रणनीतिक संचार केंद्र की स्थापना की गयी है. रणनीतिक संचार पर सीएसओ समुदाय के लिए लगभग कोई मॉडल मौजूद नहीं था, इसलिए वीएसएस ने एक फ्रेमवर्क, शब्दावली, मैनुअल, मॉड्यूल और हैंडआउट्स विकसित करने में महत्वपूर्ण कार्य किया।

विकास संवाद रणनीतिक संचार केंद्र के माध्यम से सामाजिक नागरिक संस्थाओं विशेष रूप से छोटी संस्थाओं की क्षमता वृद्धि हेतु निरंतर प्रयासरत है ताकि वह अपने विषयों पर अधिक प्रभावशीलता से काम कर सकें।

इसी उद्देश्य से रणनीतिक संचार क्षमता-निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं. रणनीतिक संचार के माध्यम से, विकास संवाद एक समावेशी संवाद को बढ़ावा देता है जो संस्थाओं एवं समुदायों को सशक्त बनाता है, सतत विकास को बढ़ावा देता है, और उनके अधिकारों और जरूरतों की पैरवी करने की उनकी क्षमता को मजबूत करता है।

वर्ष 2024-25 में इस पहल के तहत सामाजिक नागरिक संस्थाओं की स्टोरी टेलिंग क्षमता वृद्धि पर कुल 20 कार्यशालाएं आयोजित की गयीं जिसमें 268 संस्थाओं के 598 प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही एक ट्रेनर्स ऑफ़ ट्रेनिंग (टीओटी) का आयोजन किया गया जिसमें 30 सहभागियों ने हिस्सा लिया। दो राज्य स्तरीय संवाद आयोजित किए गए. विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से कुल 55 केस स्टडी तैयार की गयीं।

सक्षम परियोजना

सक्षम परियोजना के तहत उत्तर भारत के 8 राज्यों (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छतीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड एवं उड़ीसा) में सामाजिक नागरिक संस्थाओं की क्षमता वृद्धि हेतु पहल शुरू की गयी। इसका मुख्य उद्देश्य स्थायी सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने और सतत विकास लक्ष्य 16 और 17 को प्राप्त करने में योगदान देने के लिए 400 सामाजिक नागरिक संस्थाओं (सीएसओ) की स्वायत्तता और क्षमताओं को मजबूत करना है।

विकास संवाद समिति (वीएसएस) के नेतृत्व में यूरोपीय संघ (ईयू) और वेल्ट हंगर हिल्फे (डब्ल्यूएचएच) के सहयोग से, यह रणनीतिक पहल सीएसओ, विशेष रूप से जमीनी स्तर की संस्थाओं की संस्थागत क्षमता के निर्माण पर केंद्रित है, ताकि सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने में उनकी समग्र प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके। इस परियोजना के तहत बुनियादी तैयारी हुई है एवं 172 संस्थाओं की मैपिंग एवं 400 संस्थाओं तक पहुंचने के लिए 21 स्थानीय संसाधन केंद्र चिन्हित हुए हैं. रणनीतिक संचार एवं फंड रेजिंग पर 14 पोस्टर्स बनाये गए हैं।

संस्थागत विकास

विकास संवाद अपनी संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करने के लिए संस्थागत विकास प्रक्रिया को संचालित कर रहा है। इस प्रक्रिया के तहत पिछले वर्ष 9 आनलाइन सेशन किए गए एवं एक दो दिवसीय आनसाइट मीटिंग – 7-8 नवम्बर 2024 को भोपाल में आयोजित हुई। एक ओरिएंटेशन मीटिंग - 25-26 सितम्बर 2024 को माउंट आबू में आयोजित हुई।

परिणाम

- भूमिकाओं की स्पष्टता बनी है, जिससे एक प्रभावकारी भूमिका-निर्माण वातावरण बन रहा है।
- सामाजिक नागरिक संस्थाओं में रणनीतिक संचार के प्रति समझ मजबूत हुई, मांग बढ़ी.
- कला, जन उद्बोधन, कहानी लेखन, सोशल मीडिया पर 6 माड्यूल, 32 हैण्डआउट माड्यूल बने

प्रकाशन

चार कहानी की पुस्तिकाएं

- बदलाव की बयार
- बदलाव की पुरवैया (राजस्थान)
- बदलाव की पुरवैया (म.प्र)
- बदलाव की पुरवैया (महाराष्ट्र)

14 पोस्टर्स तैयार हुए हैं.

वीडियो कैम्पेन

विश्व महिला दिवस के मौके पर पोषण समृद्ध भारत बनाने की दिशा में लोकल रैसीपीज को प्रमोट करने वाली बुकलेट हम भारत के लोग और हमारी पोषण भरी रसोई का विमोचन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ संयुक्त रूप स आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्था और संगठनों के 140 लोग शामिल हुए। कार्यक्रम को पोषण विशेषज्ञ अमिता सिंह, विभा वार्ष्णेय, डॉ अग्रहार, गिरीश उपाध्याय, सुरेश तोमर, सचिन कुमार जैन आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान महिला मुद्दों पर फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया।

पोषण माह में 33 वीडियो तैयार:
https://youtube.com/playlist?list=PL6IO4yMTK5wMrdLyxwoMn_8QqZEaocxVG&si=v_c5HbsfIK6lDBoO

संविधान के 75वें साल में छह वीडियो सीरीज तैयार
https://youtu.be/jsTOGcBwpR4

ज्ञान प्रबंधन

नियोजन एवं नीतिगत ढांचा विकसित करने, अनुसंधान और विश्लेषण की क्षमता विकसित करने, संस्था में विचारक समूह की सक्रियता बढ़ाने तथा सभी थीम्स के लिए आंकड़ों और सूचना के स्रोत का विकास करने के उद्देश्य से विकास संवाद द्वारा ज्ञान प्रबन्धन पर निरंतर कार्य किया जा रहा है.

इस संदर्भ में अनेक अध्ययन, सामग्री एवं पुस्तकों/पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया गया है. इस वर्ष कुल **22** पुस्तकों का प्रकाशन किया गया जिसमें खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पर 5, संचार पर 5, संविधान पर 8 एवं 4 संस्थागत विकास से संबंधित हैं. साथ ही टीम की भूमिकाओं, विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु माड्यूल एवं पठन सामग्री, पोस्टर्स, हैण्डआउट आदि विकसित किये गए हैं.

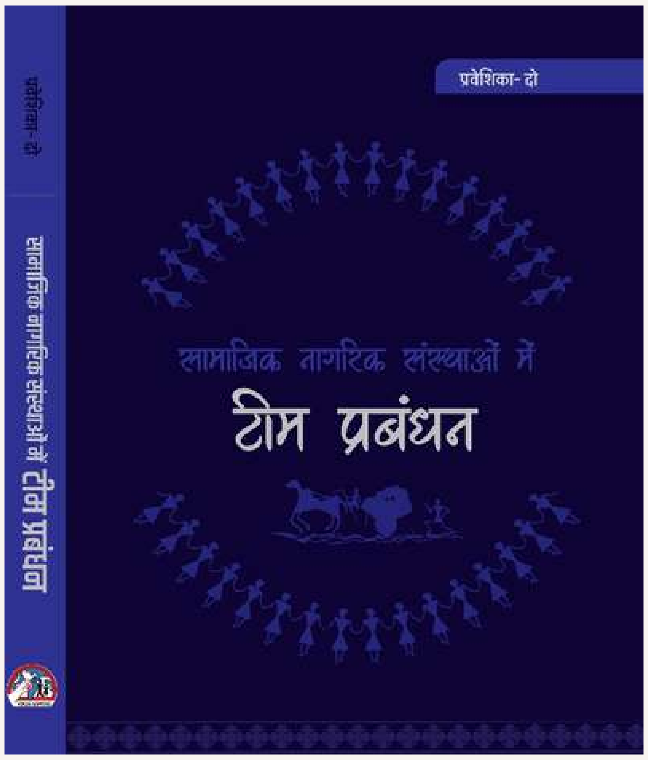

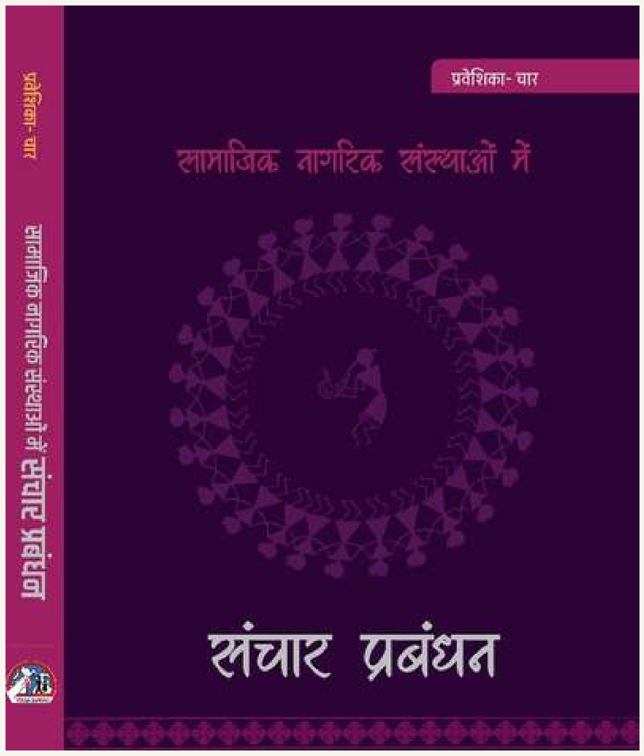

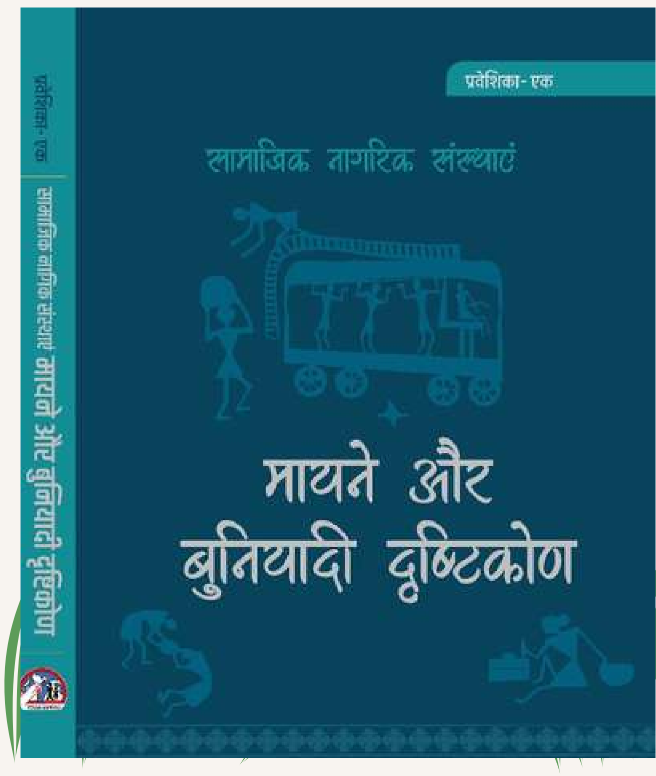

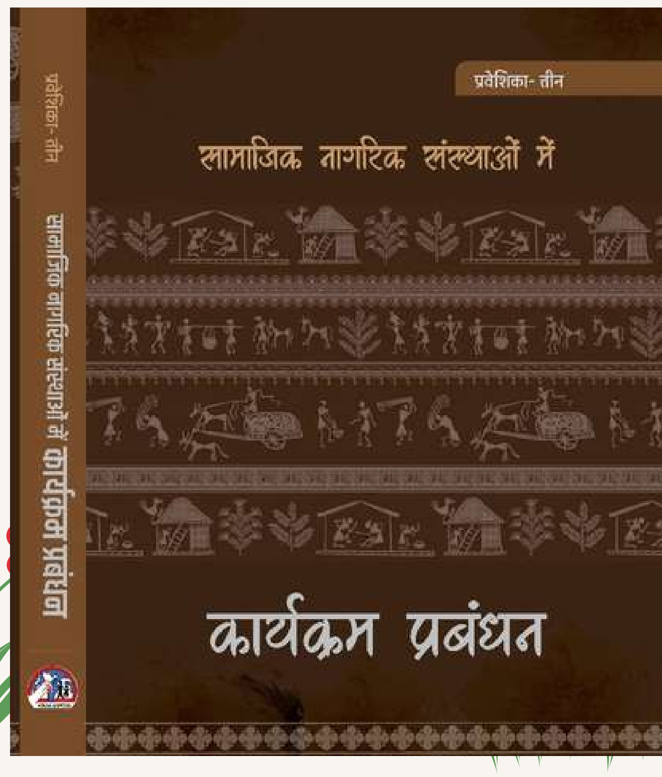

क्र	पुस्तक का नाम	वर्ष
1	चट्टानों से पार जाती होसलों की उड़ान (गुमला जिले की बेहतरी	2024
2	किसान पाठशाला मार्गदर्शिका	2024
3	फसल प्रबंधन मार्गदर्शिका	2024
4	Dastak (An Initiative on sustainability for Community Centre Food and Nutrition Security	2024
5	बदलाव की बायर	2024
6	बदलाव की पुरवैया (राजस्थान)	2024
7	बदलाव की पुरवैया (म.प्र)	2024
8	बदलाव की पुरवैया (महाराष्ट्र)	2024
9	सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार –बुनियादी अवधारणाएं	2024
10	मायने और बुनियादी द्रष्टिकोण	2024
11	टीम प्रबंधन	2024
12	कार्यक्रम प्रबंधन	2024
13	संचार प्रबंधन	2024
14	संविधान और आदिवासी	2024
15	संविधान और चुनाव प्रणाली	2024
16	संविधान और न्यायपालिका	2024
17	संविधान और भाषा का प्रशन	2024
18	संविधान और संविधान निर्माता महिलाएं	2024
19	संविधान,भरोसा और समाज	2024
20	बंधुता समानुभूति	2024
21	सामाजिक और संवैधानिक मूल्य	2024
22	जीवन की बुनियाद	2024
23	बचपन में संविधान	2025
24	संचार और रणनीतक संचार	2025
25	केस अध्ययन सूत्र और स्वरुप	2025
26	परिचय का आदान-प्रदान	2025
27	प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभावी सहभागिता कैसे करें	2025

28	मीडिया-संचारकों से जुडाव कैसे बनाएं	2025
29	सोशल मीडिया का इस्तेमाल क्यों और कैसे करें	2025
31	समालोचनात्मक सोच और चिंतन को कैसे अपनाएं	2025
32	प्रभावी कहानी कैसे लिखें	2025
33	तथ्य और साक्ष्य क्या होते हैं	2025
34	प्रभावी प्रस्तुतिकरण	2025
35	कथानक और इसके निर्माण की प्रक्रिया	2025
36	प्रभावी जन उध्बोधन	2025
37	संविधान और नागरिक भाग-1 (महत्वपूर्ण शब्द और उनके अर्थ)	2025
38	संविधान और नागरिक भाग-2 (मूल अधिकार,नीति निदेशकतत्व और मूल कर्तव्य)	2025
39	संवाद से बना संविधान	2025
40	संविधान और आरक्षण	2025
41	स्वाधीनता,स्वतंत्रता और संविधान	2025
42	संविधान गाँव और समाज व्यवस्था	2025
43	हमारी पोषण भरी रसोई	2025
44	Ray of Change Winds of Hope Part-1	2025
45	Ray of Change Winds of Hope Part-2	2025

युवा एवं किशोरी विकास

युवार्ता फेलोशिप - सतत विकास लक्ष्यों के संचार पर युवा नेतृत्व के लिए एक पहल

विकास संवाद द्वारा सामजिक बदलाव में युवाओं की भूमिका को ध्यान में रखते हुए युवार्ता फेलोशिप के जरिये एक नई पहल शुरू की है, जिसका मुख्य उद्देश्य है -

- युवाओं के संचार और नेतृत्व कौशल में क्षमता निर्माण
- युवाओं द्वारा सामाजिक विकास परियोजनाओं पर विकास और कार्रवाई
- संवैधानिक मूल्यों को सीखना और उनका अभ्यास करना
- हर साल 15 युवाओं के साथ समुदाय में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी 1, 2, 3, 4, 5, 6, 10, 15 और 16) के बारे में जागरूकता फैलाना।

पिछले वर्ष एक व्यवस्थित प्रक्रिया के तहत 15 फेलो का चयन किया गया. सभी फेलो ने समुदाय और लक्ष्य के अनुसार विभिन्न सीखों को चिह्नित किया है, अपनी कार्यप्रणाली को बदला और विकसित किया है। कुछ लेखन और वीडियोग्राफी में बेहतर हो गए हैं। नावेद ने स्क्रिप्ट लिखना सीखा है। सोनम, अमरीन, भगवती ने बच्चों की ज़रूरत के हिसाब से गतिविधियाँ डिज़ाइन करना सीखा है। आरती ने अपनी पद्धति विकसित की है और लिंग को संबोधित करने के लिए कहानी और कविता का उपयोग करना शुरू कर दिया है। भगवती और निरज मोहन रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। हर्षा लगातार स्थानीय शासन और लैंगिक समानता के बारे में सीख रहे हैं। राजा ने समुदाय को बचत करने के लिए प्रेरित करने के लिए अपनी खुद की गेम आधारित गतिविधि तैयार की है। गौतम ने उन बच्चों के माता-पिता के साथ बेहतर संबंध विकसित किए हैं जिनके साथ वह उनकी शिक्षा की बेहतरी के लिए काम करता है। इनके अलावा, फेलो अनुभवात्मक सीखने के लिए निम्नलिखित प्लेटफ़ॉर्म का हिस्सा रहे हैं।

कौशल निर्माण कार्यशाला के दौरान, फेलो को पढ़ने और लिखने की आवश्यकता का एहसास हुआ। उन्होंने सामूहिक रूप से ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से रात में पढ़ना शुरू करने का फैसला किया। इस पहल का उल्लेखनीय तत्व यह है कि फेलो अपनी पुस्तक पढ़ने के समय की पूरी ज़िम्मेदारी ले रहे हैं। और, अपने लेखन कौशल को बेहतर बनाने के लिए, उन्होंने अपनी गतिविधि योजना और इसके कार्यान्वयन की समीक्षा लिखना शुरू कर दिया है। समय के साथ लेखन में निश्चित रूप से सुधार हुआ है।

जीवन का पहाड़: चार फेलो: आफ़रीन (पन्ना), भगवती (भोपाल), सोनम (सिवनी) और जतिन (सिवनी) ने अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन द्वारा जलवायु परिवर्तन के लिए 10 दिवसीय कार्यक्रम में स्वयंसेवा की। यह स्वयंसेवा का अनुभव करने, विभिन्न राज्यों के लोगों से जुड़ने और जलवायु परिवर्तन के बारे में अधिक जानने का एक शानदार अवसर था। कार्यक्रम के बाद, साथियों ने अपने सीखने के अनुभव को रिकॉर्ड करने के लिए वीडियो बनाए।

पुस्तकालय की स्थापना

अमरीन (हरदा) ने एक पुस्तकालय की स्थापना की है, जहाँ वह ऐसी गतिविधियाँ आयोजित करती हैं जो बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करती हैं, लैंगिक भेदभाव को कम करती हैं और संवैधानिक मूल्यों को समझाती हैं। यह लोगों के संगठन के साथ साझेदारी में है जो बच्चों की आँखों को किताबों से भरने के लिए प्रेरित है जो उन्हें लोगों की ऊँचाइयों तक पहुँचने में मदद करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय संगठन ग्लोबल ऑपर्च्युनिटी यूथ नेटवर्क द्वारा आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जो हर साल विभिन्न देशों में आयोजित किया जाता है, की मेजबानी इस साल भारत ने की और यह सम्मेलन भारत के महाराष्ट्र के पुणे शहर में आयोजित किया गया। शिवम (बड़वानी) ने 12 देशों के 250 युवा नेताओं और 2000 युवाओं के साथ मध्य प्रदेश के युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए एक युवा व्यक्ति के रूप में भाग लिया। यह विभिन्न समुदायों के साथ बातचीत करने का एक शानदार अवसर था जिसमें कई मुद्दों पर समूह चर्चा, खेल आदि गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

फाइनेंस

Board Meetings Held in the Year 2024-25		
Dates	**Total Members**	**Members Attended**
3rd June 2024	7	6
20th January 2025	7	6
31th March 2025	7	5

Bankers and Auditors		
Bankers	**Statutory Auditors**	**Internal Auditor**
State bank of India	Sumit V Jain & Associates Chartered Accountant S-21B, 2nd Floor, Plot No. - 48 Gurukripa Plaza, Bhopal	CA Jahir Mansuri (Partner KCJM & Accociates) D-407, The First, Bh. Hotel ITC Narmada, Vastrapur, Ahmedabad
Union Bank of India		
HDFC Bank		
ICICI Bank		
Axis Bank		

Staff and Salaries	
Range (INR Per Month)	**No. of Staff**
Up to 10000	19
10001 to 20000	13
20001 to 30000	7
30001 to 40000	9
40001 to 50000	7
50001 to 60000	2
More than 60000	4
Total	**61**

Abstract Income and Expenditure (Rounded Off to Nearest INR)				
Particulars	Current Year 2024-25		Previous Year 2023-24	
	INR	%	INR	%
Income				
Grant from Indian Sources	16970449	23.65	32706492	44.9
Grant from Foreign Sources	44077302.48	61.44	38230592.5	52.48
Bank Interest	1349164.48	1.88	782521.9	1.07
Other Income (Donation)	341165.5	0.47	131324	0.18
Self-generated Income (Donation)	9007361	12.56	1000000	1.37
TOTAL INCOME	**71745442.46**	**100**	**72850930.4**	**100**
Expenditure				
Project Expenditure (Indian Sources)	17785033.96	26.09	34523204.28	52.6
Project Expenditure (Foreign Sources)	50385394.45	73.91	31101018.35	47.4
TOTAL EXPENDITURE	**68170428.41**	**100**	**65624222.63**	**100**

Major Funding Partners		
Foreign/UN Agencies	**CSR Institutions**	**Indian Institutions**
1. Ford Foundation	1. Child Rights & You (Bajaj)	1. Child Rights & You
2. Terre Des Hommes	2. APPI	2. The Energy and Resources
3. Child Rights & You		3. National Foundation for
4. Dasra		
5. Welt Hunger Hilfe (WHH)		
6.Association for India's		

विकास संवाद

ए-5, आयकर कॉलोनी, G-3 गुलमोहर कॉलोनी (शील पब्लिक स्कूल के पीछे)
बावडिया कला, भोपाल -462039, 0755-4252789

www.vssmp.org

YouTube